TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

24 मार्च 2025
Teachers of Bihar
The Change Makers
आज का सुविचार
तुम जो भी हो, नेक बनो ।
अब्राहम लिंकन
राकेश कुमार
www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

24 मार्च

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, चैत्र माह, कृष्ण पक्ष, दशमो तिथि, सोमवार 24 मार्च 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

अगर आप दुख गिनने बैठेंगे तो जाहिर तौर पर खुशियां गिनना भूल जाएंगे।

If you sit down to count sorrows, you will obviously forget to count happiness.

DIWAS GYAN

आज के दिन

1872– दुनिया का पहला राष्ट्रीय उद्यान येलोस्टोन की स्थापना हुई थी।

1969– राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन नई दिल्ली से कोलकाता के बीच चली थी।

1995– लोकप्रिय सर्च इंजन याहू की शुरुआत हुई थी।

1923– ग्रीक ने ग्रेगोरीयन कैलेंडर अपनाया था।

1. **विश्व क्षय रोग दिवस–** 24 मार्च, 1882 ई. को ही टीबी के जीवाणु की खोज डॉ0 रॉबर्ट कॉख ने किया था। टीबी यानी ट्यूबरकुलबेसिलाई को कई नामों से जाना जाता है, जैसे– क्षयरोग, तपेदिक तथा यक्ष्मा। यह ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया के कारण होने वाला एक संक्रामक बीमारी है, जो कि फेफड़ों को प्रभावित करता है। लेकिन फेफड़ों से रक्तप्रवाह के साथ शरीर के अन्य भागों में भी फैल सकता है जैसे– हड्डियां, मस्तिष्क, गुर्दे, त्वचा, आँत, मूत्र, प्रजनन तंत्र आदि। नियमित धुम्रपान और शराब का सेवन, साफ सफाई न रखने तथा प्रदूषित हवा में सांस लेने से टीबी का खतरा बढ़ जाता है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 20 लाख लोग टीबी की चपेट में आते हैं और लगभग 5 लाख लोग प्रतिवर्ष मर जाते हैं। वैश्विक स्तर पर लगभग 30 प्रतिशत टीबी के रोगी भारत में हैं। अतः वैश्विक स्तर पर क्षयरोग या तपेदिक की रोकथाम के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने और इसके नियंत्रण के प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रतिवर्ष 24 मार्च को विश्व तपेदिक दिवस या विश्व क्षयरोग दिवस मनाया जाता है।
   - **संदर्भः विज्ञान भाग 3, अध्याय 7 सूक्ष्मजीवों का संसार से जोड़कर बच्चों को बतायें।**

2. **कैबिनेट मिशन का भारत आगमन–** सन् 1946 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने भारत में एक तीन सदस्यीय उच्च–स्तरीय शिष्टमंडल भारत की स्वतंत्रता के संबंध में अध्ययन करने हेतु भेजने की घोषणा की। इस शिष्टमंडल में ब्रिटिश कैबिनेट के तीन सदस्य लार्ड पैथिक लॉरेंस, सर स्टेफोर्ड क्रिप्स तथा ए. वी. अलेक्जेंडर थे जो 24 मार्च, 1946 ई. को दिल्ली आये। कैबिनेट मिशन का उद्देश्य भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के मध्य के राजनीतिक गतिरोध को दूर करना और साम्प्रदायिक विवादों को रोकना था। भारत को शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के लिये यहां के नेताओं से मिलकर उन्हें इस बात का विश्वास दिलाना था कि ब्रिटिश सरकार संवैधानिक मामलों पर शीघ्र ही समझौता करने को उत्सुक है।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 3, अध्याय 12, राष्ट्रीय आंदोलन, पृष्ठ 211 से जोड़कर बच्चों को बतायें।**

3. **प्रथम गैर–कांग्रेसी सरकार का गठन–** राष्ट्रीय आपातकाल 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक नागरिक स्वतंत्रताओं को समाप्त कर दिया गया था। आपातकाल की वजह से इंदिरा गांधी की लोकप्रियता कम हुई और 1977 के चुनाव में जनता पार्टी के मोरारजी देसाई ने 298 सीटें जीत कर भारत के चौथे प्रधानमंत्री और प्रथम गैर–कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने।

दिवस विशेष

24 मार्च

मधु प्रिया

विश्व क्षयरोग दिवस 24 मार्च

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व की कुल आबादी में से एक तिहाई सुषुप्त क्षयरोग के संक्रमण की चपेट में है। एचआईवी एड्स के बाद सबसे बड़ी जानलेवा बीमारी क्षयरोग ही है।प्रत्येक वर्ष 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस मनाया जाता है, जिसे टी.बी कहा जाता है। टी.बी जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से यह दिवस मनाया जाता है। टी.बी. का पूरा नाम है ट्यूबरकुल बेसिलाइ है जो कि माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण पनपता है। टी.बी यानि क्षय रोग यह एक छूत का रोग है, जिसे प्रारंभिक अवस्था में ही न रोका गया तो जानलेवा साबित होता है। यह व्यक्ति को धीरे-धीरे मारता है। टी.बी. रोग को अन्य कई नाम से जाना जाता है, जैसे तपेदिक तथा यक्ष्मा। वैसे तो टी.बी को फेफड़ों का रोग माना जाता है, लेकिन यह फेफड़ों से रक्त प्रवाह के साथ शरीर के अन्य भागों में भी फैल सकता है, जैसे हड्डियां, हड्डियों के जोड़, लिम्फ ग्रंथियां, आंत, मूत्र व प्रजनन तंत्र के अंग, त्वचा और मस्तिष्क के ऊपर की झिल्ली आदि।

पुण्यतिथि विशेष 24 मार्च

"जब से हमने अपनी भाषा का समादर करना छोड़ा तभी से हमारा अपमान और अवनति होने लगी।"

(राजा) राधिकारमण प्रसाद सिंह

राधिकारमण प्रसाद सिंह (*Radhikaraman Prasad Singh*, जन्म- 10 सितम्बर, 1890, शाहाबाद, बिहार; मृत्यु- 24 मार्च, 1971) का हिंदी के आधुनिक गद्यकारों में प्रमुख स्थान है। उन्होंने कहानी, गद्य, काव्य, उपन्यास, संस्मरण, नाटक सभी विद्याओं में साहित्य की रचना की।

भारत ने कब-कब की मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट की मेजबानी

इवेंट	साल	शहर
एशियाई गेम्स	1951	नई दिल्ली
एशियाई गेम्स	1982	नई दिल्ली
कॉमनवेल्थ गेम्स	2010	नई दिल्ली

राकेश कुमार

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 24.03.2025

स्व-गति से सीखना
(Self-paced learning)

स्व-गति से सीखना **(Self-paced learning)** एक ऐसी शिक्षण शैली है जिसमें शिक्षार्थी अपनी गति से और अपने शेड्यूल के अनुसार सामग्री के माध्यम से आगे बढ़ते हैं, न कि किसी निर्धारित समय या कक्षा के अनुसार।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

नासा ने एक अनोखा ग्रह खोजा है, जो पृथ्वी से पांच गुना बड़ा और हीरे की तरह चमकदार है। इसे 'पीएसआर जे1719-1438बी' नाम दिया गया है। यह एक न्यूट्रॉन तारे के कारण बना है।

राकेश कुमार

ToB बूझो तो जानें..

बिहार दिवस विशेष

बिहार का राजकीय फल क्या है... बुझो तो जानें... ?

संजय कुमार

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
TEACHERS OF BIHAR
Presents
CYBERमंत्र
साईबर शिक्षा से साईबर सुरक्षा
***_
पॉपअप स्क्रीन में कभी भी अपनी
व्यक्तिगत जानकारी दर्ज न करें।
Madhu priya
www.teachersofbihar.org